Railway Officials in the Allahabad Division

•169. SHRI KRISHNA NAND JOSHI; Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of railway officials in the Allahabad Division of the Northern Railway, who are working at the same station for more than 10 years even after getting promotions to higher posts-; and

(b) what are the reasons for their continuance at one station for such a long period?

THE MINISTER OP RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) and (b) Sir, the information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

श्री बाला साहेब देवरस की केरल यात्रा के सिलसिले में चलाई गई विशेष गाड़ियां

*170. डा० बी० बी० सिंह :
श्री श्रीकान्त वर्मा :
श्री हर्षदेव मालवीय :
श्री हिम्मत सिंह :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक श्री बाला साहब देवरस की केरल यात्रा के समय कुछ विशेष गाड़ियां चलाई गई थीं, यदि हां, तो ये गाड़ियां कहां से कहां तक चलाई गई थीं ;

(ख) किन परिस्थितियों में इन गाड़ियों को चलाना जरूरी हो गया था ;

(ग) इन गाड़ियों में कितने यात्रियों ने यात्रा की थीं; और

(घ) इस के परिणामस्वरूप रेलवे को कितना लाभ अथवा हानि हुई ?

Special trains run in connection with the visit of Shri B. S. Deoras to Kerala

♦170. DR. V. B. SINGH;
SHRI SHRIKANT VERMA: SHRI HARSH DEO MALAVIYA:
SHRI HIMMAT SINH:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some special trains were run during the recent visit of Shri Bala Saheb Deoras, Sarsangh Chalak of the Rashtriya Swayam Sevak Sangh to Kerala; if so, what are the names of the places between which these trains were run;

(b) what were the circumstances which necessitated running of these specials;

(c) what is the number of passengers who travelled by these trains; and

(d) what is the profit made or loss incurred by the Railways as a result thereof?]

रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते): (क) जी हां । मई, 1977 में श्री बाला साहेब देवरस के केरल आगमन के अवसर पर दो विशेष गाड़ियां–एक पालघाट से एर्णाकुलम और दूसरी कण्णानूर से एर्णाकुलम तक चलाई गयी थीं ।

(ख) ये गाड़ियां अतिरिक्त भीड़-भाड़ की निकासी के लिए चलाई गयी थीं।

(ग) पालघाट से एर्णाकुलम तक 485 यात्रियों ने और कण्णानूर से एर्णाकुलम तक 1,781 यात्रियों ने इन विशेष सवारी गाड़ियों में यात्रा की थीं ।

(घ) टिकटों की बिक्री द्वारा यात्रियों से 26,861.45 रुपये की कुल राशि वसूल की गयी । रेलों पर अलग-अलग गाड़ियों से होने वाले लाभ और हानि का लेखा नहीं रखा जाता है ।

f[ ] English translation.